<u>प्रसार भारती</u>

<u>भारतीय प्रसारण निगम</u>

<u>आकाशवाणी केन्द्र शिमला</u>

<u>01.01.2026 / प्रादेशिक समाचार / 19.45बजे</u>

<u>मुख्य समाचार''</u>

- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा– जातीय जनगणना के आंकड़े आने के बाद ओबीसी आरक्षण पर विचार करेगी सरकार।
- प्रदेश में बीते तीन वर्षों में विभिन्न विभागों के 2 हज़ार 35 संस्थान किए गए बंद– 3 सौ 62 नए संस्थान खुले।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर विधानसभा में तथ्यात्मक जवाब न देने का लगाया आरोप।
- राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा– शिक्षा के माध्यम से बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है एक से श्रेष्ठ पहल।

  और
- प्रदेश के बर्फबारी वाले क्षेत्रों में जनगणना के दूसरे चरण का कार्य आज से शुरू– 30 सितंबर तक होगी जनगणना।

<u>प्रश्नकाल</u>

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार जातीय जनगणना के आंकड़े आने के बाद ओबीसी आरक्षण पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ओबीसी आयोग का गठन किया गया है और आयोग भी इस विषय पर मंथन कर रहा है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक सुखराम चौधरी के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने ये जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ओबीसी वर्ग का कल्याण राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि उनके हित के लिए करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अलग–अलग क्षेत्रों में आरक्षण की व्यवस्था है और जातीय जनगणना के बाद कई तथ्य सामने आएंगे। सरकार की ओर से विधानसभा में दिए गए लिखित जवाब के अनुसार प्रदेश में सरकारी विभागों में सीधी भर्ती से भरे जाने वाले पदों पर ओबीसी को वर्ग–ए और बी में 12 प्रतिशत जबकि वर्ग–सी व डी में 18 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। सरकारी विभागों में प्रशिक्षण के लिए भी अलग–अलग संस्थानों और पाठ्यक्रमों के अनुसार आरक्षण की व्यवस्था है।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक रणधीर शर्मा और त्रिलोक जम्बाल के मूल सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते तीन वर्षों में 31 जुलाई 2025 तक प्रदेश के विभिन्न विभागों के 2 हज़ार 35 संस्थान बंद किए गए, जबकि 3 सौ 62 नए संस्थान खोले गए। उन्होंने बताया कि बंद किए गए संस्थानों में से एक सौ 23 को बाद में फिर से शुरू किया गया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि सरकार संस्थानों को राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि जनता की जरूरत और आकलन के आधार पर खोल रही है। उन्होंने कहा कि संस्थानों को बंद करना सरकार का नीतिगत फैसला होता है और यह व्यक्तिगत स्तर पर नहीं लिया जाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में संस्थान खोले और कई स्वास्थ्य संस्थान भी खोले गए, लेकिन वहां डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार गुणवत्ता, आधारभूत ढांचे और जनता की जरूरत को ध्यान में रखकर संस्थान खोल रही है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री के जवाब पर सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के अगले ही दिन यह कैसे तय हो गया कि भाजपा सरकार के समय खोले गए संस्थान जरूरत के आधार पर नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कई संस्थान राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से बंद किए गए।

<u>जयराम ठाकुर</u>

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर विधानसभा में सवालों के तथ्यात्मक जवाब न देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सदन में जवाब देने के बजाए जनसभा की तरह भाषण देते हैं, जिससे सदन की गरीमा को ठेस पहुंच रही है। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद मौजूदा सरकार के पांच साल के सभी फैसलों की समीक्षा होगी और जो फैसले जनहित में नही होंगे उन्हें रद्द किया जाएगा।

जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर सरकार कर्मचारी हितैषी है तो पैंशनरों को अपने हक के लिए धरने पर क्यों बैठना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार के चार साल के कार्यकाल में प्रदेश में विकास थम गया है और पूर्व भाजपा सरकार की योजनाओं को बंद किया जा रहा है।

<u>राज्यपाल</u>

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा है कि 'एक से श्रेष्ठ' पहल शिक्षा के माध्यम से बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। राज्यपाल ने आज बिलासपुर में एक से श्रेष्ठ पहल के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में 6 सौ 50 केंद्र संचालित किए जा रहे हैं और इनमें लगभग 12 हज़ार बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए

कहा कि समावेशी, कुशल व भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण में शिक्षा की केंद्रीय भूमिका है। उन्होंने कहा कि 'एक से श्रेष्ठ' जैसे जमीनी स्तर के प्रयास शिक्षा और सामाजिक सहभागिता को समुदायों के और करीब लाकर इस व्यापक राष्ट्रीय प्रयास को मजबूती प्रदान करते हैं। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने राज्यपाल को एक्ट टू ट्रांसफार्म फाउंडेशन की 'एक से श्रेष्ठ' पहल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अनुराग ठाकुर

इस बीच राज्यपाल कविंद्र गुप्ता और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में एक से श्रेष्ठ सामाजिक पहल के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि एक से श्रेष्ठ केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज के सभी वर्गों के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का एक व्यापक सामाजिक अभियान है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और समावेशी सोच से प्रेरणा लेकर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से जरूरत मंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार जल्द ही हिम—चंडीगढ़ सिटी का विकास कार्य शुरू करेगी। शिमला में आज एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने चंडीगढ़ के निकट बद्दी क्षेत्र में प्रस्तावित इस परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं के कार्य में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में तीन नए शहर और सिरसा रिवर फ्रंट विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि ये नए शहर लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेंगे और प्रदेश का राजस्व भी बढ़ाएंगे।

जनगणना

प्रदेश के बर्फबारी वाले क्षेत्रों में जनगणना के दूसरे चरण का कार्य आज से शुरू हो गया है, जो 30 सितंबर तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि के दौरान प्रगणक घर—घर जाकर जनसंख्या गणना से संबंधित आंकड़े एकत्रित करेंगे। जनगणना विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस चरण में प्रदेश के पूर्ण व आंशिक बर्फबारी वाले क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आज बाद दोपहर से लगातार बारिश हो रही है जिससे कई जगहों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। सिरमौर जिला में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते नदी–नालों का जलस्तर बढ़ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूण नदी में आए अचानक उफान के कारण बर्मा पापड़ी निवासी एक व्यक्ति नदी में बने एक छोटे टापू पर फंस गया है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई हैं और व्यक्ति को सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि तेज बहाव के कारण रेस्क्यू करने में परेशानी आ रही है। ऐसे में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को हेलीकॉप्टर की मांग भेजी है। ताकि फंसे हुए व्यक्ति को सुरक्षित ऐयरलिफ्ट किया जा सके। इस बीच मौसम विभाग ने कल 2 सितंबर को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

मुख्य समाचार एक बार फिर''

- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा– जातीय जनगणना के आंकड़े आने के बाद ओबीसी आरक्षण पर विचार करेगी सरकार।
- प्रदेश में बीते तीन वर्षों में विभिन्न विभागों के 2 हज़ार 35 संस्थान किए गए बंद– 3 सौ 62 नए संस्थान खुले।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर विधानसभा में तथ्यात्मक जवाब न देने का लगाया आरोप।
- राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा– शिक्षा के माध्यम से बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है एक से श्रेष्ठ पहल।
- प्रदेश के बर्फबारी वाले क्षेत्रों में जनगणना के दूसरे चरण का कार्य आज से शुरू– 30 सितंबर तक होगी जनगणना।